

अजमेर में अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे

अजमेर, (निसं)। नगर निगम के अस्थाई सफाई कर्मचारियों को ठेकेदार से समय पर वेतन का भुगतान नहीं होने सहित वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने नगर निगम से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। जिला कलेक्ट्रेट को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंप कर जब तक कार्य पूर्ण नहीं होता, तब तक कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी। हड़ताल के चलते शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगने लगे हैं।



अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने अजमेर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

अजमेर के 80 में से 52 बाड़ों में सफाई का काम पूरी तरह से टप पड़ा

है। सड़कों, बाजारों और कॉलोनीयों में कचरे के ढेर लगने लगे हैं, जिससे

अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने रैली निकाल कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम द्वारा डोर-डोर कचरा संग्रहण और फील्ड सफाई का ठेका निजी कंपनियों को दिया गया है, लेकिन सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदार उन्हें तय वेतन से कम भुगतान कर रहे हैं। इसी के विरोध में अस्थाई सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं। गुरुवार को अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय से नारेबाजी करते हुए रैली निकाली, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। कर्मचारियों ने जिला कलेक्ट्रेट

लोकबंधु को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि सफाई कर्मचारी 6200 रुपए मासिक वेतन पर काम कर रहे हैं जो बेहद कम है। उनकी मांग है कि न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए किया जाए और वेतन समय पर दिया जाए। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें दो-दो महीने तक वेतन नहीं मिलता, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है।

प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारी प्रकाश लखन ने कहा कि फरवरी माह का वेतन अभी तक किसी को नहीं मिला है। इसके अलावा ठेकेदारों द्वारा सफाई कार्य के लिए आवश्यक सामग्री तक उपलब्ध नहीं कराई जाती, जिससे काम करने में कठिनाई होती है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक वे हड़ताल जारी रखेंगे।

इनामी बदमाश ने हिस्ट्रीशीटर की गाड़ी को कैम्पर से टक्कर मारी

हिस्ट्रीशीटर ने कार से उतरकर वर्कशॉप में भागकर अपनी जान बचाई

सुलताना, (निसं)। जिले में बदमाश बेबीफ है। जिले के सुलताना कस्बे के केहरपुरा मोड़ पर गुरुवार सुबह बोलोरो कार का टायर चेंज करा रहे हिस्ट्रीशीटर पर इनामी बदमाश ने कैम्पर कार से धावा बोल दिया। बोलोरो कार को बदमाश ने कैम्पर से टक्कर मारी। वक्त रहते हिस्ट्रीशीटर ने कार से उतरकर वर्कशॉप में भागकर जान बचाई। घटना की सूचना मिलने पर सुलताना थाना इंचार्ज रिविंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और प्रत्यक्षदर्शियों से बात की। फुटेज और बयान के आधार पर जांच की जा रही है। सुलताना थाना एसएचओ रिविंद्र सिंह ने बताया कि दोनों ही बदमाश सुलताना के हिस्ट्रीशीटर हैं। इनके खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमले के मामले दर्ज हैं। बदमाश रजनीश पर 10 हजार का इनाम भी घोषित है। आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। घटना का

सीसीटीवी फुटेज भी आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह सुलताना कस्बे के केहरपुरा मोड़ पर नागरी वर्कशॉप पर सुलताना थाने का हिस्ट्रीशीटर नरेंद्र अपनी बोलोरो कार का टायर चेंज करा रहा था। नरेंद्र कार में बैठा था। कुछ देर में वहां सुलताना थाने का इनामी बदमाश और हिस्ट्रीशीटर रजनीश और उसका साथी कैम्पर कार लेकर पहुंचे। रजनीश को देख नरेंद्र बोलोरो कार से उतरा और वर्कशॉप में भागकर जान बचाई। रजनीश ने कैम्पर को बैंक लेकर हिस्ट्रीशीटर नरेंद्र की बोलोरो को ठोक दिया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फरार होने से पहले रजनीश कैम्पर से मोबाइल लेकर उतरा और घटना का वीडियो बनाकर दोबारा चलती कैम्पर में चढ़ गया। इस वादात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इनामी बदमाश रजनीश वारदात के दौरान सड़क पर बेबीफ

दिखा। उसने सड़क के बीचोंबीच खड़े होकर अपने मोबाइल से वारदात का वीडियो बनाया। इसके बाद लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। कैम्पर से टक्कर मारने वाला रजनीश सुलताना थाने का 10 हजार का इनाम है। शराब ठेके पर एक व्यक्ति का सिर फोड़ने के मामले में उस पर इनाम रखा गया। वह सुलताना थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। रजनीश आरडी नाम से अपनी गैंग चलाता है। नरेंद्र उर्फ नीरू भी सुलताना थाने का हिस्ट्रीशीटर है। दोनों एक ही गांव के हैं। दोनों के बीच केहरपुरा गांव में मंदिर की दीवार तोड़ने को लेकर बुधवार शाम को विवाद हुआ था। रजनीश केहरपुरा में एक लड़के को पीट रहा था। नरेंद्र ने उसे बचाया था। इसे लेकर दोनों में गाली-गलौज भी हुई थी। आज मौका पाकर रजनीश ने नरेंद्र पर हमला कर दिया। उसे लोहे की रॉड से भी पीटा। रजनीश पर 8 और नरेंद्र पर 7 मामले दर्ज हैं।

सांभर के प्रदीप व्यास ने फिल्म इंडस्ट्रीज में पहचान बनाई

सांभरझील, (निसं)। सांभर में दिल्ली सिक्स को फिल्म की शूटिंग के बाद यहां के अनेक युवाओं में छिपी प्रतिभाएं जिनका प्रकाश से तेजी से आगे आई, उसके पीछे बॉलीवुड के कलाकारों व फिल्म यूनिट दल का अहम रोल भी रहा है। यहां के युवाओं ने इस स्थिति को भांपते हुए

हाल ही रिलीज हुई वेब सीरीज "दोपहिया" में प्रदीप व्यास ने टॉपो वाला बनकर रोल निभाया है



सांभर के प्रदीप व्यास ने वेब सीरीज में अपनी भूमिका निभाई है।

अपना भविष्य फिल्म इंडस्ट्रीज में तलाशना शुरू कर दिया और सांभर के कई युवा आज इस काम में जुड़े हुए हैं और अपने कैरियर को संवारने में लगे हुए हैं।

एसा ही एक उभरता युवा कलाकार सांभर के मालवों की गली में रहने वाले दर्शनलाल व्यास के पुत्र प्रदीप व्यास है। इन्होंने अपने दम पर कड़ी मेहनत और लगन से आज बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई, वरन अनेक मशहूर कलाकारों से भी उनके निजी तालुकात हो गए हैं। अभी हाल ही रिलीज हुई वेब सीरीज "दोपहिया" काफ़ी चर्चित एक गांव की स्टोरी है, जिसमें सांभर के प्रदीप

व्यास इसकी लाइन प्रोड्यूसर भी हैं बल्कि खुद ने भी इसमें टॉपो वाला बनकर अपना खास रोल निभाया है। प्रदीप व्यास ने बताया कि फिल्म की कहानी एक गांव धड़कपुर से शुरू होती है। जो एक अपराध मुक्त गांव है। जहां पिछले 24 सालों से कोई क्राइम नहीं हुआ है और गांव के लोग भी पूरी तरह बिना किसी डर के रहते हैं। धड़कपुर में गांव के स्कूल के अस्थाई प्रधानाचार्य बनवारी (गजराज राव) की बेटी का रिश्ता तय हो जाता है लेकिन

उनका दामाद दहेज में बुलेट की डिमांड करता है। किसी तरह बनवारी बेटी की खुशी को खातिर नियाया का इंतजाम करके दामाद को देने के लिए दुपहिया खरीदते हैं। कहानी में दिवस्त तब आता है जब धड़कपुर से दुपहिया चोरी हो जाती है। अब दामाद की शर्त पूरी न होने पर क्या वह शादी करेगा, क्या चोर का पता चल पाएगा और क्या होगा अब अपराधमुक्त गांव के टैंग का? ये सारी बातें सीरीज के 9 एपिसोड में दिखाई गई हैं।

बीदासर, (निसं)। कस्बे में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए अंतर्राज्यीय गैंग के चार चोरों को पुलिस ने बुधवार की देर शाम कस्बे के मुख्य मार्गों से आमजन में विश्वास एवं अपराधियों में भय का संदेश देने को लेकर पैदल परेड कराई।

चोरों को पुलिस जान्ते के साथ

नगरवासियों ने चोरियों का खुलासा होने पर पुलिस कर्मियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया



बीदासर में पुलिस ने चोरी के आरोपियों का जुलूस निकाला।

कस्बे के सीकर नोखा मार्ग स्थित मुक्ति धाम से राजकीय गोवर्धन प्रसाद टांटिया राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक कस्बे के नागरिकों के साथ पैदल मार्च जुलूस के साथ निकाला, जिसमें सैकड़ों की संख्या में नगरवासी शामिल हुए और जुलूस में नगरवासियों ने पुलिस विदाबाद के नारे लगाए। इस दौरान नगरवासियों ने वर्तमान में हुई चोरियों का खुलासा होने पर पुलिस कर्मियों का जुलूस में जगह-जगह पुष्प वर्षा व माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं सीएचसी मार्ग के किनारे दो जेसीबी लगाकर नगरवासियों ने उसमें से पुष्प वर्षा करवाकर पुलिस कर्मियों का स्वागत

किया। स्वागत जुलूस में व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवकुमार टांटिया, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष जवाहर सिंह राठौड़, कमल माली, हरका राम खेरिया, ललित सैनी, ओमप्रकाश सोनी, आरिफ खीया, भीकम चंद खेरिया, जाकिर कुरैशी, मुजी राम मंडा, गिरधारी लाल मेघवाल सहित अनेक नगरवासी मौजूद थे।

थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार किए गए चोरों के आरोप में अंतर्राज्यीय गैंग के चार शक्ति चोर जोधपुर की मदेरणा कॉलोनी व हाल निवासी सुजानगढ़

उमरदीन भाटी पुत्र ल्याकत, जोधपुर के नागरी गेट थोल बस्ती निवासी मोहम्मद नहीम पुत्र मोहम्मद ईसाइल, जोधपुर के कबीर नगर धामसाहीदा कॉलोनी निवासी सद्दाम हुसैन पुत्र मोहम्मद खलील व जोधपुर के गांव प्रतापनगर फेजा मस्जिद गली नंबर दो के निवासी शाहरुख खान पुत्र सलीम खा खीया को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने शाहरुख खान को 22 मार्च तक व अन्य तीन नकबजनों को 24 मार्च तक पुलिस रिमांड पर दिया है। थानाधिकारी यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए

नकबजनों से कड़ी पूछताछ के बाद कस्बे में पूजा पल्टी श्रवण कुमार शर्मा, भागीरथ मंडा व ब्रजब स्वामी के घर हुई चोरियों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पूजा शर्मा के घर हुई चोरी में नकबजनों से ब्रांडेड कोट व कपड़े बरामद किए हैं। वहीं इनके घर में सीसीटीवी कैमरे का लगा डीवीआर नकबजनों ने सुजानगढ़ सम्राट होटल स्थित रेलवे फाटक के पास पानी के कीचड़ में फैंकना कर लुप्त किया है। अन्य समान नकबजनों से बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

15 लाख की शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

पाली, (निसं)। पाली पुलिस ने 15 लाख रुपए की शराब जब्त करते हुए आरोपी टुक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। चालक खाली टुक में बने गुप्त बॉक्स में शराब छुपाकर गुजरात ले जा रहा था।

सदर थाने के सहदेव चौधरी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पणिहारी चौराहे के पास नाकाबंदी की। इस दौरान जोधपुर से सुमेरपुर की तरफ जा रहे एक टुक को रोका। टुक खाली था, पूछने पर ड्राइवर ने बताया कि ऊंझा मंडी जा रहा है। पुलिस ने शक होने पर टुक की तलाशी ली तो उसमें बने एक गुप्त बॉक्स में छुपाकर रखी राजस्थान निर्मित विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब मिली। इस पर उसे जब्त किया गया। जब्त शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। मामले में

खाली टुक में बने गुप्त बॉक्स में छुपाकर गुजरात ले जाई जा रही थी अतैव शराब, पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र के नई भाखरी बास निवासी जाकीर खान (57) पुत्र नूर मोहम्मद को गिरफ्तार किया। साथ ही टुक और अतैव रूप से गुजरात ले जाई जा रही शराब को भी जब्त किया। कार्रवाई में सदर थाने के कॉन्स्टेबल रमेश विश्वाजी की मुख्य भूमिका रही। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।



पाली पुलिस ने शराब के साथ टुक चालक को गिरफ्तार किया।

तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध एसीबी ने चालान पेश किया

जालोर, (का.सं.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर की ओर से सायला पंचायत समिति की ऑनलाइन ग्राम पंचायत के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी संतोष कुमार जोशी के विरुद्ध पद के दुरुपयोग व गबन के मामले में एसीबी कोर्ट पाली में चालान पेश किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बताया कि ग्राम पंचायत ऑनलाइन में वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभिन्न योजनाओं में विकास कार्यों के लिए मैसर्स शिवशक्ति कन्स्ट्रक्शन ऑनलाइन के नाम निविदा स्वी.त की गई, जिस पर मैसर्स शिव शक्ति कन्स्ट्रक्शन

कम्पनी ऑनलाइन द्वारा थरोहर राशि रोडड पंजिका अनुसार 14 जुलाई 2015 को 20 लाख रुपये ग्राम पंचायत ऑनलाइन के कोष में जमा करायें थे। ग्राम पंचायत ऑनलाइन द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 में मैसर्स शिवशक्ति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ऑनलाइन को किसी प्रकार का कार्यदिश जारी नहीं किया गया। जबकि ग्राम पंचायत ऑनलाइन में विभिन्न जगह के विकास कार्यों हेतु मैसर्स सरवरी कन्स्ट्रक्शन कंपनी भीनमाल से सामग्री आपूर्ति करवाकर उक्त फर्म को कुल 8,00,000 रुपये का भुगतान ग्राम पंचायत ऑनलाइन के कोष से किया गया, जबकि ग्राम पंचायत

आवंलोज द्वारा वर्ष 2015-16 हेतु खोली गई निविदा 10 जुलाई 2015 के अनुसार मैसर्स शिव शक्ति कन्स्ट्रक्शन ऑनलाइन के नाम निविदा स्वीकृत की गई थी। निविदा के अनुसार भुगतान मैसर्स शिव शक्ति कन्स्ट्रक्शन ऑनलाइन को होना चाहिए था, जबकि भुगतान अन्य फर्म सरवरी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी भीनमाल को किया गया। कुछ समय पश्चात ग्राम पंचायत ऑनलाइन की सरपंच ममता देवी व ग्राम विकास अधिकारी संतोष कुमार द्वारा सर्वोचित फर्म को किये गये भुगतान में विधिक समस्या होने का तकाजा करने पर सर्वोचित फर्म

सरवरी कन्स्ट्रक्शन से सामग्री पेटे किये गये भुगतान 8 लाख रुपये को पुनः पंचायत कोष में जमा करवाया गया जिस पर ग्राम पंचायत ऑनलाइन पंचायत समिति सायला जिला जालोर की तत्कालीन सरपंच ममता देवी व संतोष कुमार ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राज. जयपुर पर प्रकरण दर्ज कर बाद अनुसंधान उक्त प्रकरण में आरोपी संतोष कुमार तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत ऑनलाइन, पं.सं. सायला जिला जालोर के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम पाली के न्यायालय में चालान पेश किया गया।

सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति का धरना जारी

'सांचोर जिला जब तक घोषित नहीं होता है, तब तक धरना समाप्त नहीं होगा'

जालोर, (का.सं.)। जिला बचाओ संघर्ष समिति की ओर से सांचोर को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर गुरुवार को 82 वें दिन जारी रहा। वहीं सांचोर अतिरिक्त जिला कलेक्ट्रेट को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन पेश किया। पूर्व राज्यमंत्री सुखराम बिस्नोई ने कहा कि सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में गुरुवार को 82 वें दिन धरना जारी है। सरकार समझ ले जो सांचोर जिले को निरस्त किया है जिसको नियमानुसार बहाल कर देवें। सांचोर जिला जो जालोर जिले से 145 कि.मी. दूर व अंतिम गांव आकोडिया रणखार करीब 250 किमी दूर है। सरकार ने कौनसे आधार पर सांचोर जिले को निरस्त किया गया, कोई स्पष्ट नहीं है। जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होते थे। वर्तमान सरकार आमजन का त्वरित कार्य नहीं करना चाह

रही है और आमजन को इधर-उधर भटककर आर्थिक नुकसान करना चाहती है, ऐसी ही इस सरकार की मंशा लग रही है, एडीएम कार्यालय से धरना समाप्त सांचोर जिले को किस आधार पर निरस्त किया, हमने सम्पूर्ण प्रूफ के साथ कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसका न्यायपालिका नियमानुसार निस्तार करेगी तथा सरकार ने अतिरिक्त जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय बंद कर पुनः खोला है, एडीएम कार्यालय से धरना समाप्त नहीं करने वाले हैं जिला घोषित नहीं होता है, तब तक हम धरना समाप्त नहीं होगा। सेवानिवृत्त अध्यापक केशाराम मेहरा धमना ने धरने का संचालन किया। ग्रामीणों का धरने को समर्थन मिला। अधिवक्ता भीमराम चौधरी व जनप्रतिनिधियों ने धरने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार सांचोर की जनता के साथ भेदभाव रखेया अपना रही है, सांचोर जिला सही मापदण्ड अनुसार

था उन मापदंडों के आधार पर सभी नए जिले और संघाण बनाया था जिसको वर्तमान सरकार ने किस आधार पर निरस्त किया, यह सांचोर की जनता के साथ अन्याय किया है। सांचोर जिले को पुनः जिला बनाकर रहेंगे। जब तक सांचोर जिला पुनः घोषित नहीं होता है तब तक हमारा धरना जारी रहेगा। इस दौरान आसुराम गोदारा हादेचा, रामावतार मांजु, भाखराराम लोल सरपंच काछेला, अमरदान चारण, भाखराराम गोदारा, पुनमाराम, पबसिंह हादेचा, देवसौराम, कृष्ण कोली, आसुराम कोली, भगाराम, पिराराम सुधार, अमराराम मेघवाल, मंगलाराम जानी, मनोज कुमार, पंवलाल कुराडा, भजनलाल बिस्नोई, रामलाल पंवार, सालाकदान चारण, पोकराम बिस्नोई, रगनाथराम, जोधाराम मेघवाल, नरसीराम मेघवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

छह चचेरे भाइयों के शव गांव पहुंचे, कोहराम मचा, एक साथ अंतिम संस्कार किया

नोखा, (निसं)। बारात में गए छह चचेरे भाइयों की रास्ते में आइसक्रीम खाते हुए ली गई सेल्फी उनकी आखिरी में सभी की मौत हो गई। बारात में खाना खाकर घर लौटते समय देर रात करीब ग्यारह बजे कार के ऊपर राख से भरा टोला पलट गया था। जिससे कार में सवार सभी छह लोग नीचे दब गए थे। हादसा देशनोक में हुआ। सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीर देखकर पड़ोसी ने नंबर से गाड़ी को पहचान लिया और वह मौके पर पहुंच गया, लेकिन, परिजन रातभर इस हादसे से बेखबर रहे।

जानकारी के अनुसार जहां बुधवार शाम तक खुशियों का माहौल था, वहां सुबह होते ही मातम पसर गया। सभी नोखा (बीकानेर) के रहने वाले थे। हादसे में चप्पूराम (55) पुत्र गंगाराम और उनके भाई मूलचंद (45) निवासी मरोटी चौक, श्यामसुंदर (60) पुत्र चेताराम व उनके भाई द्वारिका प्रसाद (45) निवासी पंचारिया चौक, करणीदान (50) पुत्र मोहराम निवासी पंचारिया चौक और अशोक (45) पुत्र

बारात में खाना खाकर घर लौटते समय कार के ऊपर राख से भरा टोला पलट गया था, जिससे कार में सवार सभी छह लोग नीचे दब गए थे

स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रात में सभी शवों को हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया। हादसे की सूचना के बाद कुछ रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए। टोला ड्राइवर मौके से फरार हो गया था। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिवर्जनों को सौंप दिया। शवों को तीन एंबुलेंस से नोखा के लिए रवाना किया गया। दोपहर करीब एक बजे शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया।

इधर, स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एसडीएम गोपाल गांगिड़ को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। वहीं, हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। पंचारिया चौक के पार्षद देवकिशन चौडक ने बताया कि पप्पूराम के बुआ

पड़ोसी एडवोकेट रामनिवास बिशोई ने बताया कि मैंने सोशल मीडिया पर हादसे की खबर देखी। गाड़ी का नंबर देखते ही मेरी सांसें अटक गईं। मैंने बिना देर किए परिवार को जानकारी दिए बैंगर मौके पर जाने का फैसला किया। कुछ पड़ोसियों को भी साथ ले लिया। पार्षद देवकिशन चौडक ने बताया कि श्यामसुंदर, द्वारिका, पप्पूराम, मूलचंद और अशोक, सुखाराम के पीते थे। वहीं, कालूराम उर्फ करणीदान भी उनका चचेरा भाई था, जिसके दादा का नाम माणुराम था। अशोक के एक भाई की करीब 10 साल पहले एक्ससीडेंट में मौत हो गई थी। अब परिवार में कमाने वाला छोटा भाई बजरंग बचा है। उसी पर बच्चों की सारी जिम्मेदारी आ गई है। पप्पूराम उर्फ शंकरनारायण और मूलचंद का भाई इक्ष्वाकू (50) है। मूलचंद के 22 और 20 साल के दो बेटे हैं। पप्पूराम के एक बेटा और तीन बेटियां हैं। श्यामसुंदर और द्वारिका प्रसाद का बड़ा भाई ओमप्रकाश (70) है। श्यामसुंदर के दो बेटे हैं। द्वारिका प्रसाद के दो बेटे और एक बेटी है।